ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-01-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-01-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-01-29	2025-01-30	2025-01-31	2025-02-01	2025-02-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	1.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	22.0	23.0	24.0	25.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	7.0	7.0	8.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	85	85	80	80	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	65	65	70
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	4	4	5	4
पवन दिशा (डिग्री)	330	120	40	120	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (21 से 27 जनवरी) में वर्षा नहीं हुई तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.0-25.5 और 5.2-9.9oC के बीच रहा। अधिकांश दिनों में सुबह के समय कोहरा छाया रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 90-100% और 53-83% के बीच रही। हवा की गति ज्यादातर 0.0-6.3 किमी प्रति घंटे के बीच रही, जो मुख्य रूप से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम, पूर्व-दक्षिण-पूर्व और पश्चिम दिशा से बह रही थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 1 फरवरी को 1.0 मिमी की बहुत हल्की वर्षा होने का अनुमान है तथा अधिकतम और न्यूनतम तापमान 19.0-20.0oC और 5-6oC के बीच रहेगा। उत्तर-पश्चिम-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 6-9 किमी प्रति घंटे रहने की उम्मीद है। 01 फरवरी को कुछ स्थानों पर बहुत हल्की से बहुत हल्की वर्षा होने की संभावना है। शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में नियमित अपडेट "मेघदूत ऐप" पर उपलब्ध है और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। एनडीवीआई कंपोजिट क्षेत्र में अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली 24-30 जनवरी के दौरान बड़ी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति दर्शाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई करनी चाहिए तथा कोहरे और अत्यधिक ठंड की स्थिति में छोटे पौधों को ठंड से होने वाली क्षति से बचाना चाहिए तथा फसलों में रोग नियंत्रण करना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूलों और फली के निर्माण पर सिंचाई का आवश्यकतानुसार दिया जाना चाहिए।
मसूर की दाल	फूलों और फली के निर्माण पर सिंचाई का आवश्यकतानुसार दिया जाना चाहिए।
रेपसीड	रेपसीड/सरसों फसल को परिपक्वता पर काटा जाना चाहिए और दाना झाड़ने से पहले अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। उपज के नुकसान से बचने के लिए आवश्यकता के अनुसार सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करना आवश्यक है। कीट और बीमारी के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में, 800-1000 लीटर पानी में मैनकोज़ेब 75%, 2 कीग्रा/हेक्टेयर का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार आवश्यक है। सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग आने पर मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है।
सरसों	रेपसीड/सरसों फसल को परिपक्वता पर काटा जाना चाहिए और दाना झाड़ने से पहले अच्छी तरह से सुखाया जाना चाहिए। उपज के नुकसान से बचने के लिए आवश्यकता के अनुसार सरसों (राई) में फूल आने और फली बनने की अवस्था में सिंचाई करना आवश्यक है। कीट और बीमारी के हमले के लिए सरसों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और नियंत्रण के लिए अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। झुलसा रोग में, 800-1000 लीटर पानी में मैनकोज़ेब 75%, 2 कीग्रा/हेक्टेयर का नियमित छिड़काव, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार आवश्यक है। सफेद गेरुई रोग में मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2.5 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 800-1000 लीटर पानी में, 10 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार नियमित छिड़काव करना चाहिए। तुलासिता रोग आने पर मेटालैक्सिल 35 डब्लू ऐस या रिडोमिल एम जेड 72, 2 किग्रा/हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर 1-2 बार छिड़काव किया जा सकता है।
गेहूँ	आवश्यकतानुसार फसल की सिंचाई करनी चाहिए और खरपतवार नियंत्रित करना चाहिए। पीला रतुआ दिखने पर उचित उपाय किये जाने चाहिए।
जौ	आवश्यकता अनुसार फसल की सिंचाई की जानी चाहिए और खरपतवार प्रबंधन के लिए उपाय किये जाना चाहिए।
गन्ना	फसल को 16-18% ब्रिक्स पर काटा जाना चाहिए और शरद ऋतु के गन्ने में उचित कृषि कार्यों का पालन किया जाना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज के पौधों को पला और ठंडे तापमान से बचाना चाहिए और उचित उपाय किए जाने चाहिए। पौधों को इस तरह ढके की हवा-पानी का बहाव बना रहे।
सब्जी पीईए	मटर की फसल सूखी और ठंडी रातों के प्रति बहुत संवेदनशील होती है इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और कीटों और बीमारियों की नियमित निगरानी की जानी चाहिए। फफूंद/माहू कीट के हमले पर उचित रासायनिक या यांत्रिक उपाय किए जाने चाहिए।
टमाटर	तापमान और आर्द्रता का स्तर कीट और बीमारी के हमले के लिए उपयुक्त है, इसलिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
मिर्च	तापमान और आर्द्रता का स्तर कीट और बीमारी के हमले के लिए उपयुक्त है, इसलिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं का पालन किया जाना चाहिए। रोग फैलाने वाले कीटों के लिए फसल की नियमित निगरानी की जानी चाहिए और अनुशंसित प्रथाओं के साथ नियंत्रित किया जाना चाहिए। टमाटर में पछेती झुलसा रोग के नियंत्रण के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए।
आलू	आलू में पछेती झुलसा रोग को नियंत्रित करने के लिए, मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से घोल बनाकर छिड़काव किया जाना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।
गाय	पशुओं को ठंड से बचाने के लिए पशुओं के भोजन में तेल एवं गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। पशुओं को अजवायन और गुड़ भी खिलाएं। पशुओं को ठंड से बचाने के लिए शेड में उचित व्यवस्था करनी चाहिए। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण कराना चाहिए। अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता के लिए पशु आहार में 10% की वृद्धि की जानी चाहिए।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	पशुचिकित्सक के अनुसार मुर्गियों को एफ़लाटोक्सिओसिस के लिए दवाई प्रशासित किया जाना चाहिए जो उनके चारे में फंगस के पनपने के कारण हो सकता है ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	क्षेत्र में ठंड की स्थिति और घना कोहरा होने की संभावना है, इसलिए युवा पौधों की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाने चाहिए। फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में ठंड से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए हीटर और धुएं का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। मौसम अधिकांश फसलों में रोग होने के लिए अनुकूल है इसलिए फसलों की सुरक्षा के लिए उचित छिड़काव किया जाना चाहिए।